डेयरी सेक्टर में हुआ सबसे ज्यादा निवेश

वरुण यादव ● जागरण

गोंडा : भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या के संवरने के साथ ही पड़ोसी जिले गोंडा (गोनर्द) की आर्थिकी भी वर्ष 2025 में तेजी से बदली है। डेरी सेक्टर में सबसे अधिक निवेश (321.20 करोड़) ने **गोंडा** जिले को रोजगार की नई उम्मीद दिखाई है। यहां सरयू नदी के किनारे बसे गांवों में लोगों का मुख्य व्यवसाय खेती के साथ ही पशुपालन है। ताज और विवांता ग्रुप ने यहां होटल बनाने के लिए निवेश का करार किया था। यह निवेश नए वर्ष में धरातल पर उतरने की उम्मीद जताई जा रही है। आने वाले दिनों में गोंडा आधुनिक सुविधाओं से युक्त होटल का हब बन सकता है। जिले में 848 करोड़ रुपये की 54 इकाइयां धरातल पर उतर चुकी हैं। इनमें 3100 लोगों को रोजगार मिला है। नए वर्ष में प्रस्तावित जीबीसी 5.0 के तहत ढाई हजार करोड़ रुपये का निवेश जुटाने का लक्ष्य तय किया गया है।

80 प्रतिशत स्थानीय लोगों को मिला रोजगार: राज्य सरकार के ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से हुए निवेश के करार भी अब तेजी से धरातल पर उतर रहे हैं। बीते पांच वर्षों में 2682.62 करोड़ रुपये के 104 ओएमयू साइन किए गए थे, जिनमें से 925.92 करोड़ रुपये के 66 प्रोजेक्ट ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में शामिल किए गए। उद्यमियों ने 848.02 करोड़ रुपये की 54 इकाइयों की स्थापना के साथ ही व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर दिया है, इससे 3042 लोगों को रोजगार से जोड़ा गया है। रोजगार पाने वाले 80 प्रतिशत स्थानीय लोग हैं। सबसे ज्यादा इकाइयां एमएसएमई सेक्टर की हैं। पर्यटन के साथ ही मेडिकल व तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में भी निवेश आए हैं।

छह सेक्टर में धरातल पर नहीं उतरी एक भी इकाई: ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में निवेश के लिए 15 सेक्टर में करार किया गया था, लेकिन सहकारिता, नेडा, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, आवास विभाग, गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण, आईटी एवं इलेक्ट्रानिक्स सेक्टर में इकाइयां धरातल पर नहीं उतर सकीं।

सुविधाएं मिलीं, खाद्य सामग्रियों की बढ़ी मांग: नवाबगंज के छोटेलाल का कहना है कि होटल निर्माण से स्थानीय स्तर पर सब्जी, दूध, अनाज की मांग बढ़ी है। स्थानीय लोगों को रोजगार तो मिला ही बाहर से आने वाले लोगों के लिए सुविधाएं बढ़ गई हैं। ब्योंदामाझा के प्रधान केशवराम यादव का कहना है कि अयोध्याधाम भगवान श्रीराम का मंदिर निर्माण होने से गोंडा में आर्थिक गतिविधियां बढ़ गई हैं, इसका प्रभाव नवाबगंज के अलावा जिला मुख्यालय पर भी पड़ा है। उद्यमी अपनी सुविधा व कमाई को ध्यान में रखकर निवेश कर रहे हैं। अथरिष्ट फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के सीईओ कुलदीप मिश्र ने बताया कि लौव्वाटेपरा में मिलेट्स को बढ़ावा देने के लिए सामान्य सुविधा केंद्र का निर्माण पूरा हो गया है। जल्द ही इकाई का संचालन शुरू हो जाएगा।

लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम उद्यमी व किसान कुलदीप मिश्र को प्रशस्ति पत्र देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ● सौ. स्वयं

किस सेक्टर में धरातल पर उतरा कितना निवेश

सेक्टर/विभाग	इकाई	निवेश	रोजगार
एमएसएमई	26	197.50	1618
पशुपालन	01	01.00	15
डेरी विकास	05	321.2	325
चिकित्सा शिक्षा	02	15.42	250
मत्स्य पालन	03	9.50	90
वन विभाग	04	5.80	400
उद्यान विभाग	02	6.05	42
तकनीकी शिक्षा	06	10.60	92
पर्यटन	04	37	210
योग	53	603.56	3042

नोट : निवेश करोड़ रुपये में है।

उद्यमी दिखा रहे दिलचस्पी

उद्यमी अक्षत कपूर ने रिलायंस मार्ट के रूप में दो करोड़ रुपये का निवेश किया है, इससे 50 लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर मिले हैं। उन्होंने कहा कि निवेश से जिले की आर्थिकी को बढ़ाने के साथ ही रोजगार का अवसर उपलब्ध कराया गया है।

जीबीसी 5.0 के लिए तैयारी

उद्यमी मित्र संदीप द्विवेदी ने बताया कि जिले में निवेश को लेकर उद्यमियों में उत्साह बढ़ा है। नवाबगंज के साथ ही अन्य क्षेत्रों में भी निवेश के करार हुए हैं। ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 5.0 को लेकर तैयारी चल रही है। 26 उद्यमियों ने करीब 1406 करोड़ रुपये के निवेश का करार किया है।

जीबीसी में शामिल 53 प्रोजेक्ट पूरे हो गए हैं। जीबीसी 5.0 के लिए उद्यमियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। 1406 करोड़ रुपये के निवेश का करार किया गया है।

– **बाबूराम**, उपायुक्त उद्योग

MAGZTER